ABHYAAS MAINS

VISIONIAS — INSPIRING INNOVATION

सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-IV)/GENERAL STUDIES (Paper-IV) (2425)

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time Allowed: ***Three Hours***

अधिकतम अंक: **250**
Maximum Marks: 250

सामान्य अनुदेश

इस प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका में 61+3 पृष्ठ हैं। प्रश्न-पत्र, क्यू.सी.ए. पुस्तिका के अंत में संलग्न है, जो अलग (वियोज्य) किया जा सकता है और उम्मीदवार परीक्षा के उपरांत अपने साथ ले जा सकते हैं।

रफ कार्य के लिए, इस पुस्तिका के अंत में खाली पृष्ठ दिया गया है।

पुस्तिका प्राप्त होने पर, कृपया यह जांच कर लें कि इस क्यू.सी.ए. पुस्तिका में कोई कमी न हो, फटा हुआ पृष्ठ न हो अथवा कोई पृष्ठ गायब न हो इत्यादि। यदि ऐसा हो, तो इसके बदले नई क्यू.सी.ए. पुस्तिका प्राप्त कर लें।

General Instructions

This Question-Cum-Answer (QCA) Booklet contains 61+3 pages. Question Paper in detachable form is available at the end of the QCA Booklet which can be taken away by the candidate after examination.

For rough work, blank page has been provided at the end of this Booklet.

On receipt of the Booklet, please check that this QCA Booklet does not have any shortcomings, torn or missing pages etc. If, so, get it replaced with a fresh QCA Booklet.

(उम्मीदवार द्वारा भरा जाएगा/To be filled by the Candidate)

पंजीकरण सं./Registration No. : 0834009

अभ्यर्थी का नाम/Name of Student : Aditya Srivastava

माध्यम: हिंदी/अंग्रेजी
Medium: Hindi/English

Eng

तारीख
Date

27/8/23

सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-IV)
GENERAL STUDIES (Paper IV)

केंद्र
Centre: IISE, Lko

निरीक्षक के हस्ताक्षर
Invigilator's Signature

	महत्वपूर्ण अनुदेश **उम्मीदवारों को नीचे उल्लिखित निर्देश सावधानी से पढ़ लेने चाहिए। किसी भी निर्देश का उल्लंघन करने पर उम्मीदवारों को मिलने वाले अंकों में कटौती, उम्मीदवारी रद्द या आयोग के परवर्ती परीक्षाओं के लिए वर्जित करने इत्यादि के रूप में दण्डित किया जा सकता है।**	**Important Instructions** **Candidates should read the undermentioned instructions carefully. Violation of any of the following instructions may entail penalty in the form of deduction of marks, cancellation of candidature, debarment from further Examination of the Commission etc.**
1	(क) अपना पंजीकरण सं. एवं अन्य विवरण केवल प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) में उम्मीदवार के लिए निर्धारित स्थान पर ही लिखें। (ख) इस पुस्तिका में अन्यत्र कहीं भी अपना नाम, पंजीकरण सं., मोबाइल नं., पता अथवा प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) संख्या न लिखें जिससे आपकी पहचान का खुलासा हो।	(a) Write your Registration Number and other details only in the space provided in the Question-Cum-Answer (QCA) Booklet for candidates. (b) Do not disclose your identity in any manner such as, by writing your Name, Registration number, Mobile number, Address, Question-Cum-Answer (QCA) Booklet No. etc. elsewhere in the Booklet
2	अपनी प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में कहीं भी प्रश्नों के वास्तविक उत्तर के अतिरिक्त कुछ न लिखें जैसे कि कोई कविता/दोहा, अभद्र या अपमानजनक अभिव्यक्ति इत्यादि और न ही कोई ऐसा चिन्ह/निशान बनाएं जिसका उत्तर से सम्बन्ध न हो।	Do not write in the QCA Booklet anything other than the actual answer such as couplet, obscene, abusive expression etc., nor put any sign/mark having no relevance to the answer.
3	परीक्षक को प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रूप से कोई भी प्रार्थना/धमकी भरी बातें न लिखें।	Do not make any direct/indirect appeal/threat to the examiner.
4	उत्तर अस्पष्ट अथवा गंदी लिखावट में न लिखें। इस प्रकार के उत्तर का मूल्यांकन नहीं भी किया जा सकता है।	Do not write answers in bad/illegible handwriting. Such answers may not be evaluated.
5	उत्तर स्याही में ही लिखें। उत्तर लिखने के लिए पेंसिल का उपयोग न करें, हालांकि आरेख, चित्र इत्यादि बनाने के लिए पेंसिल का उपयोग किया जा सकता है।	Write answers in ink only. Do not use pencil for writing the answers. However, pencil may be used for drawing diagrams, sketches, etc.
6	प्रवेश पत्र में उल्लेख किए गए माध्यम के अलावा अन्य किसी माध्यम में उत्तर न लिखें। अधिकृत और अनधिकृत की मिली जुली भाषा का भी उपयोग न करें।	Do not write answers in medium other than the authorized medium in the Admission Certificate. Do not use mixed language either i.e. authorize and unauthorized media together for writing answers.
7	प्रश्नों के उत्तर ठीक उसके नीचे दिए गए निर्धारित स्थान पर ही लिखें। निर्धारित स्थान के अलावा किसी अन्य स्थान पर लिखे गए उत्तर का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।	Write answer at the specific space (right below the question) only. Answers written elsewhere at unspecified places in the booklet shall not be evaluated.
8	यदि आप अपने किसी उत्तर को रद्द करना चाहते हैं तो उसे पेन से काट दें तथा उस पर "रद्द" लिख दें, अन्यथा उसका मूल्यांकन किया जा सकता है।	If you wish to cancel any work, draw your pen through it and write "Cancelled" across it, otherwise it may be valued.

VISION IAS

कार्यालय के प्रयोग हेतु For Official Use	कार्यालय के प्रयोग हेतु For Official Use
परीक्षक के हस्ताक्षर Signature of Examiner(s)	

प्राप्तांक के विवरण (परीक्षक द्वारा भरा जाए)/ Marks Details (To be filled by the Examiner(s))

प्रश्न सं. Q. No.	अंक Marks		प्रश्न सं. Q. No.	अंक Marks	
1(a)			6 (a)		
1(b)			6 (b)		
2(a)			7		
2(b)			8		
3(a)			9		
3(b)			10		
3(c)			11		
4(a)			12		
4(b)					
5					
उप-योग (A) Subtotal (A)			उप-योग (B) Subtotal (B)		
सकल योग (A+B) / GRAND TOTAL (A+B)					

VISION IAS

VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION

ABHYAAS MAINS

सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-IV)/GENERAL STUDIES (Paper-IV) (2425)

निर्धारित समय: **तीन** घंटे Time Allowed: **Three** Hours	अधिकतम अंक: **250** Maximum Marks: **250**

प्रश्न-पत्र संबंधी विशेष अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

*इसमें **बारह** प्रश्न हैं जो दो **खण्डों** में विभाजित हैं तथा **हिंदी** और **अंग्रेजी** दोनों में छपे हुए हैं।*

***सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।*

प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी प्राधिकृत माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। प्राधिकृत माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों में इंगित शब्द सीमा को ध्यान में रखिए।

प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions:

*There are **TWELVE** questions divided in **TWO SECTIONS** and printed both, in **HINDI** and in **ENGLISH.***

***All** questions are compulsory.*

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Keep the word limit indicated in the questions in mind.

Any page or portion of the page left blank in the Questions-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

VISION IAS

EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

VISION IAS

1. (a) आगामी वर्षों में प्रभावी कॉर्पोरेट गवर्नेंस को लागू करने के लिए, ESG (पर्यावरणीय, सामाजिक और गवर्नेंस) मैट्रिक्स को बहु-हितधारक दृष्टिकोण के साथ एकीकृत करना क्यों महत्वपूर्ण है? ऐसे एकीकरण से क्या लाभ हो सकते हैं? (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

For effective corporate governance to take place in the coming years, why is it important to integrate the ESG (Environmental, Social, and Governance) metrics with the multi-stakeholder approach? What benefits can be accrued by such integration? (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Corporate ethics are governed by the values of 3Ps — People, Planet, profitability.

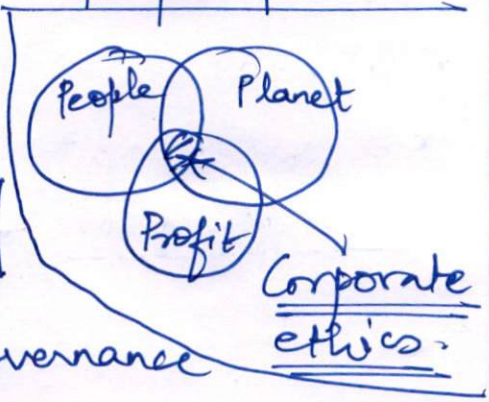

Need for ESG metrics

1) Current corporate governance has social issues as —
   - Using man as means
     Eg Hire & fire culture
   - No responsibility to society
     Eg Punjab Maharashtra Bank fraud.

2) Governance issues
   - Money as ends in itself
     Eg ICICI Bank fraud, Yes Bank.
   - Stifling level playfield via monopoly. Eg Google fined 1330 crore.

3) Environmental issues

- Exploitation of environment.
  - Eg Kanpur tanneries – chromium pollution in Ganga.

All this calls for multistakeholder approach as

1) Environment as equal stakeholder
   → Eg polluter pays principle (Plastics)
2) Society as stakeholder
   → Eg Tata MANSI proposal
   → improve IMR, MMR
3) Corporate social responsibility reforms → make more targetted.

Benefits from this
- → uphold corporate citizenship.
- → uphold Gandhian Trusteeship
- → Commerce with morality
- → Benefits ⇒ social capital
- → ecocentricism ⇒ sustainable growth & profits

This would make the Corporates lead to compassionate capitalism

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

1. (b) भ्रष्टाचार के कृत्यों में, मुख्य ध्यान केवल इसके मांग पक्ष अर्थात निजी लाभ के लिए अपने पद का दुरुपयोग करने वाले सार्वजनिक अधिकारियों पर होता है। वहीं प्रायः आपूर्ति पक्ष पर कम ध्यान दिया जाता है। वे लोग जो रिश्वत देते हैं उन्हें कभी-कभी निर्दोष पक्षकार और चालाक लोक सेवकों की जबरन वसूली क्रिया के शिकार के रूप में चित्रित किया जाता है। क्या आप इस बात से सहमत हैं कि 'मिलीभगत से संचालित भ्रष्टाचार', जिसमें स्वेच्छा से रिश्वत देने वाला भी शामिल होता है, भ्रष्टाचार से निपटने वाली संस्थाओं के लिए एक विकट चुनौती है? (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

In acts of corruption, the focus is often only on the demand side of the equation, on public officials who abuse their office for private gain. Frequently, the supply side is given less attention. Those who pay bribes are sometimes depicted as innocent parties and victims of extortionary practices of wily public servants. Do you agree that 'collusive corruption', in which there is a willing bribe-giver, is a formidable challenge for institutions fighting corruption? (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Often the corruption index and the corruption law – Prevention of Corruption Act, 1988 focussed more on the bribe taker as —

1) Responsibility of official to uphold integral work culture.
2) For ~~proof~~ probity in governance ⇒ uphold the right precedent.
3) Official is accountable to the government & the process.

Yet, the role of the giver of bribe is equally important —

1) Collusive corruption – bribe giver knows its wrong to give bribe ⇒ Dayanand Saraswati's knower

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

doer split

1) Bribe giver is violating Kantian categorical imperative → not universally allowable
2) Using wrong means for any work.

However many times the bribe giver is actually innocent —

1) Officers catch files in the red tape ⇒ call for money to get work done.
2) Culture of corruption ⇒ attitude of "courtesy money"
3) Socialization flawed as consider little money as fine for corruption.

Way ahead

1) Both bribe giver and taker need to be punished → proportionately more to the taker
2) Integrity is about wholesomeness of character ⇒ little money not possible.
3) Attitudinal change via nukkad/ natak.

2. (a) नागरिक चार्टर पहल उन समस्याओं के समाधान हेतु दीर्घकाल से जारी खोज की प्रतिक्रिया थी, जिनका सामना एक नागरिक को सार्वजनिक सेवाएं प्रदान करने वाले संगठनों के साथ जुड़ते समय प्रतिदिन करना पड़ता था। लेकिन भारत सरकार में नागरिक चार्टर की शुरुआत और कार्यान्वयन पुरानी नौकरशाही व्यवस्था एवं कार्यबल के कठोर रवैये के कारण मुश्किल रहा है। नागरिक चार्टर पहल को लागू करने में आने वाली प्रमुख बाधाओं पर चर्चा कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

The Citizens' Charters initiative was a response to the quest for solving the problems, which a citizen encountered, day in and day out, while dealing with the organisations providing public services. But the introduction and implementation of Citizens' Charters in the government of India has been difficult due to the old bureaucratic set up and the rigid attitudes of the work force. Discuss the major obstacles that have been encountered in implementing the Citizens' Charter initiative. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Citizens charter is a commitment by the organization to the standard and quality of service delivery.

Yet, faces many obstacles

1) Resistance to change due to status quoism of bureaucracy (II ARC)
2) Not in vernacular ⇒ not meant for the locals ⇒ lack good governance
3) Lack of public participation during forming charter ⇒ top-down imposed
4) Lack of transparency about internal mechanisms to uphold charter.
5) No legal backing ⇒ no accountability

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

6) Information needed to hold the officers accountable not there in public domain

Case Study

1) Mayurbhanj charter "Window of hope" is a case in point for responsiveness

Way ahead

1) Adopt Sevottam model (II ARC)
2) Agile approach
   ↓
   Change the charter based on feedback
3) Rights based approach → revive the 2011 lapsed bill for citizen charter.
4) Provide local auditors for capacity building
5) More transparency → have punishment mechanism for violation
   ↳ learn from RTI Section 20

This would help to uphold responsive & good governance

2. (b) सार्वजनिक सेवा वितरण की गुणवत्ता वर्ग, जाति, धर्म आदि के आधार पर विभाजित अत्यधिक विषमतापूर्ण समाज में कमजोर वर्गों के जीवन की गुणवत्ता का एक प्रमुख निर्धारक है। इस पृष्ठभूमि में, क्या आपको लगता है कि भारत में कमजोर वर्गों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए सार्वजनिक सेवा वितरण कुशल और पर्याप्त है? समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Quality of public service delivery is a major determinant of the quality of life of vulnerable sections in a highly unequal society divided along the lines of class, caste, religion, etc. In this background, do you think that public service delivery is efficient and sufficient enough to improve the lives of vulnerable groups in India? Critically examine. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Quality service delivery is essential for upholding democratic administration in modern days.

Yet, quality of service delivery is low as —

1) Rules becoming ends in themselves.
   - Eg: Jharkhand girl died → denied food as no documents
2) Apathy among civil servants.
   - Eg: Kanpur President visit → ambulance stopped → woman died.
3) Red tapism → against responsive
   - Eg: average 59 months for land acquisition.
4) Corruption → pressure on pocket of citizen.

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

5) Poor work culture of selfishness.
Eg lunch memes on instagram about a bank.

Yet, there have been islands of glory due to certain initiatives.

1) Empathetic service delivery.
Eg Prison reforms by Kiran Bedi

2) Innovation due to dedication to duty
Eg Lane Armstrong building People's road in Manipur.

3) Fortitude in service delivery.
Eg Tamboli Ayyaj making hospital in Nayal area.

4) People centric approach of governance. Eg Adrika Scheme of Odisha → curb child marriage

5) Reforms in various mechanism
Eg computerized FPS ⇒ PDS is less leaky.

Therefore need is to promote good initiative and use technology for good governance & citizen centric governance

3. निम्नलिखित में से प्रत्येक उद्धरण का आपके विचार से क्या अभिप्राय है?

What do each of the following quotations mean to you?

(a) "बुद्धिमान व्यक्ति अपने धन का संचय नहीं करता है। जितना अधिक वह दूसरों को देता है, उतना ही अधिक उसके पास अपने लिए होता है।" – लाओत्से (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

"The wise man does not lay up his own treasures. The more he gives to others, the more he has for his own." - Lao Tzu (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

The value of altruism is being emphasized by people time and again – be it langar of Sikhism or the daanveer ~~karna~~ Karna

How giving to others leads to more

1) Altruism leads to higher order needs fulfilment (Maslow)

2) Promotes credibility and shining character Eg Karna from Mahabharat.

3) "To find yourself, lose yourself in service of others" – Gandhi
⇓
helps in self discovery.

4) Leads to satisfaction of conscience as seeing others happy gives smile to us.

5) Corporate social responsibility

www.visionias.in

However, some amount of caution is needed –

1) Basic necessity needs money today → survival → food → shelter

2) Giving can promote syndicates.
Eg Child trafficking for begging

3) Wantlessness is utopian
Eg Need certain basic things

4) Minimum profit needed for sustainability → for corporate.

Thereby need is to minimize our greed and keep only what we need to ensure we arent caught in the chimera of materialism and get the higher order satisfaction of helping others in need in line with Gandhi's trusteeship.

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

3. (b) "यदि शीर्ष पर अपर्याप्त नैतिकता है, तो इस व्यवहार का संगठन में उच्च से निम्न स्तर तक अनुसरण होता है।" - रॉबर्ट नॉयस (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

"If ethics are poor at the top, that behavior is copied down through the organization." - Robert Noyce (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Organization ethics tend to trickle down from the leader as an organization is only as good as the leader.

Reasons for copying down

1) Leaders have charismatic influence. Eg unethical Hitler made unethical Germany.

2) Corruption of moral standards by social proofing.
Eg ICICI - Videocon fraud.

3) Organizational influence of the leader ⇒ coerse even integral people
Eg transfer/posting in bureaucracy (IIARC)

4) Promotes partisanship for plum posting & Career progression
Eg NC Saxena committee said

However, it isnt always true as

1) Individuals inside ~~locus~~ locus of integrity determines
   Eg Ashok Khemka - 55 transfer

2) Empathy stops individual from following arbitrary tyranny.
   Eg German man — Oswald — saved 200 jews (Schindlers list)

3) Emotional intelligence helps the organizations ethics be shaped by right work culture. Eg Most ICICI employees ethical.

4) Courage of conviction and avoidance of crisis of conscience prevent the person from following the unethical path mindlessly.

Need is to promote the values of integrity via reward → for operant conditioning towards a good work culture

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

3. (c) "कानून का उद्देश्य स्वतंत्रता को समाप्त करना या सीमित करना नहीं है, बल्कि इसे संरक्षित करना और बढ़ाना है।" - जॉन लॉक (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

"The end of law is not to abolish or restrain, but to preserve and enlarge freedom." - John Locke (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Laws are the collective conscience of the society which try to provide direction to the society.

They are not there to abolish or restrain freedom

1) Uphold liberty by preventing arbitrary executive action.
   Eg Article 13 – judicial review.
2) Have due process and follow checks and balances
   Eg Basic structure – Kesavananda Bharati case.

They help to preserve and enlarge freedom

1) Provide due process to uphold rights. Eg RTI Act upholding freedom to know and question
2) Provide protection in case you want

freedom for upholding greater good.

Eg Whistleblower Protection Act.

3) Enlarge freedom to work without fear or favour ⇒ gender equity.

Eg Sexual Harassment at Workplace Act

However, they also try to impose reasonable restrictions as subsuming individuality is needed for larger welfare.

→ restrict movement freedom.

Eg restriction on Article 19(1)(d) for tribal welfare

→ restrict free speech for social harmony. Eg Section 295A of IPC ⇒ blasphemy.

→ restrict freedom to assemble for law & order maintenance.

Eg Section 144 of CrPC

Therefore laws are meant to uphold larger public interest and wider liberty of all.

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

4. (a) दुनिया भर में अमीर CEOs और सफल व्यवसायों के संस्थापक तेजी से अपनी संपत्ति परोपकार के लिए दान करने का वादा कर रहे हैं। क्या आपको लगता है कि ऐसा कदम समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए पर्याप्त है? समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Wealthy CEOs and founders of successful businesses around the world are increasingly pledging to give away their wealth in philanthropy. Do you think that such a move is sufficient enough to bring about a positive change in the society? Critically examine. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Altruism and Gandhian trusteeship exhort us to give away extra wealth for equity.

This is very well needed

1) Currently we have high level of inequality — Gini coefficient of 0.35 in India.

2) Bring positive change towards value of minimalism (Buddha)

3) Life of satisfaction as uphold higher order needs (Maslow)

4) Reduce lack of money among lower strata ⇒ better mental health ⊕ life of dignity (Article 21)

However just giving away wealth is not enough as —

1) Giving up of responsibility to give

efforts → as only donation isn't enough.

2) No duty towards ensuring outcomes as channelization of money important

3) Lack of local capacity ⇒ no NGOs are primary reason behind lack of outcome from CSR.

4) Lack of transparency → auditing issues.

5) Corruption among civil society ⇒ money doesn't reach intended beneficiary.

Way forward

1) Uphold Aurelius stoicism → be the agent of change.

2) Visit the poor — develop empathy

3) Work at grassroot ⇒ ensure outcomes ⊕ get satisfaction.

4) Work for Kant's duty dictum → actions speak louder than words.

This would uphold **compassionate capitalism** with focus on consequentialism.

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

4. (b) चूंकि दुनिया भर के संगठन अपना कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) रूपांतरण आरंभ कर रहे हैं, इसलिए AI युग में छलांग ऐसी किसी भी तकनीक की तुलना में अधिक चुनौतीपूर्ण हो सकती है, जिससे व्यवसायों को अभी तक जूझना पड़ा है। इस पृष्ठभूमि में, निष्पक्षता, पारदर्शिता और नौकरी की सुरक्षा से जुड़ी चिंताओं पर चर्चा कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

As organizations across the globe begin their artificial intelligence (AI) transformation, the leap into the AI era is expected to be more challenging than any technology that businesses have grappled with yet. In this background, discuss the concerns around fairness, transparency, and job security that may arise. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

The recent letter by top technology giants like Elon Musk to halt generative AI for few months showed the seriousness around AI

Concerns around —

→ fairness

1) Disparity in access ⇒ fuel inequality

2) Use as an end in itself ⇒ uses man as means.

Eg deep fake ⇒ electoral gains

→ Transparency

1) Black box architecture ⇒ no openness

2) Lack of transparency about the

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

regulations around AI

→ **job security**

1) Mass job loss predicted ⇒ goes against welfare state (Article 38)

2) disparity between skilled and unskilled labour pay ⇒ against constitutional morality.

Yet AI is needed for —

1) Better economy ⇒ get better prices via market prediction.
   (Eg) Ninjakart startup raised farmer income by 25%

2) Efficiency by technology

way ahead

1) Promote skilling of people → based on Amartya Sen capability approach

2) Man over technology to uphold humanity at the core of policy

This would help to make AI a tool and a means for ends of human welfare

5. (a) शिक्षा, सामाजिक समानता और नैतिक मूल्यों पर स्वामी दयानंद सरस्वती का बल समकालीन भारत में भी सामाजिक-सांस्कृतिक विमर्श को प्रभावित करता है। उपयुक्त उदाहरणों सहित चर्चा कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

The emphasis of Swami Dayanand Saraswati on education, social equality, and ethical values continues to influence the socio-cultural discourse in contemporary India. Discuss with suitable examples. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Swami Dayanand Saraswati was the pioneer of women education and social equality.

Continue to influence today

1) DAV college still teaching ~~for~~ thousands of girl child ⇒ upholding gender equity

2) Arya Samaj teaching of caste equality still perpetuates constitutional morality (Eg) Article 15, 16

3) Teaching of avoiding knower doer split still helps prevent crisis of conscience

(Eg) Edward Snowden revelation based on conscience voice.

4) Teaching on rationalism and own

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

use of brain ⇒ dont follow religion blindly → needed to prevent [hate speech]

5) Denouncement of vedic supremacy of priestly domination ⇒ still needed for ensuring equal access → caste → women

Eg Sabrimala temple entry or Living Tree doctrine

However, with the advent of new ideas & technology, few challenges have erupted —

1) Differences in interpretation due to different conscience.
   Eg Nupur Sharma case.
2) Education needs revamp for matching technological upgradation.
3) Social equity needs expansion to include LGBT, transgender, etc.

This would help to ensure reform and addition to Swamiji teachings for the evolving world.

5. (b) निम्नलिखित में से प्रत्येक पर 30 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

Write short notes on the following in 30 words each : 2 x 5 = 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

(i) लोक सेवा के प्रति समर्पण

Dedication to public service

It is the quality of passionate commitment to service.

Need → difficulty of being good
→ go extra mile for welfare
(Eg) Lakshmi Krishna (IAS) → mission Bongaigaon.
↓ innovate (Eg) E Sreedharan metro station built in 3 months.

(ii) लोक सेवा में गैर-पक्षपात

Non-partisanship in civil service

Quality of not being specifically associated with particular group/party

Need → uphold trust of political boss for scheme implementation
→ trust of public in benefits irrespective of voting pattern

(iii) निर्णय-निर्माण में वस्तुनिष्ठता

Objectivity in decision-making

Quality of rational evidence based decision irrespective of personal biases.

Need → for ensuring due process
(Eg) beneficiary identification
→ upholding chain of accountability to rules.

(iv) बहुलवादी समाजों में सहिष्णुता

Tolerance in pluralistic societies

Tolerance is the behaviour which respects all opinion / ideas.

Need → pluralistic society need to uphold rights.
(Eg) Hadiya case

→ uphold dignity (Eg) LGBT rights.

→ development needs conflicting ideas.
(Eg) Galileo heliocentricity in Dark Age

(v) लोक सेवा में करुणा

Compassion in public service

Compassion is the value of acting according to the other's needs while understanding — for Summum bonum

Need → uphold empathetic administration.
(Eg) Sanjukta Parashar bring "win mind & heart"

→ service delivery with people centricity. (Eg) Kiran Bedi prison reform.

→ go extra mile for welfare
(Eg) IPS Anjali bringing electricity to old lady home (UP cadre)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

6. (a) भावनात्मक बुद्धिमत्ता केवल भावनाओं या बुद्धिमत्ता से जुड़ी नहीं हो सकती है। इसमें व्यक्तित्व संबंधी विशेषताओं की एक विस्तृत श्रृंखला भी शामिल हो सकती है जो पेशेवर और रोजमर्रा की जिंदगी में सफलता का पूर्वनिर्धारण कर सकती है। विवेचना कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Emotional intelligence may not be singularly associated with emotions or intelligence. It can also include a broad range of personality characteristics that might predict success in professional and everyday life. Discuss. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

"It takes more than intelligence to act intelligently" — Emerson.

This highlights the broad spectrum of all intelligence which includes many factors —

Beyond emotions/intelligence

1) Self awareness needed for personal life success. Eg avoiding heated arguments & tranquil relationships.

2) Social awareness needed for maintaining right work assignment. Eg Dhoni giving last over to Joginder Sharma — 2007 World Cup.

3) Social skills needed to motivate staff for success.

Eg PM Modi hugging K-Sivan after

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Chandrayaan 2 failure.

4) Social empathy needed to provide right service delivery & uphold duty

(Eg) DM Rahul Kumar eating food Cooked by widow → Social change

5) Self Regulation to control spurts of emotion - (Eg) DM Surajpur slapped man — got suspended.

However emotional intelligence is just a means and care must be taken to ensure right intention.

1) Dont use for manipulation

(Eg) Brainwashing of terrorist.

2) Dont use for selfish gains.

(Eg) Social awareness by politician for vote bank fissuring — caste

Need is to ensure right use of emotional intelligence for the ends of own and human welfare around us.

6. (b) राज्य के नेतृत्व वाली जवाबदेही के पारंपरिक रूप, जिन्हें जवाबदेही की ऊर्ध्वाधर और क्षैतिज प्रणालियों के रूप में भी जाना जाता है, लगातार अपर्याप्त पाई जा रही हैं और उन्हें पूरक या प्रतिस्थापित करने के लिए असंख्य बहु-हितधारक और बॉटम-अप नागरिक निर्देशित दृष्टिकोण सामने आए हैं। उदाहरण सहित चर्चा कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Traditional forms of state-led accountability, also characterised as vertical and horizontal channels of accountability, are increasingly found to be inadequate, and a myriad of multi-stakeholder and bottom-up citizen directed approaches have come to the fore, to supplement or supplant them. Discuss with illustrations. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Accountability mechanisms have traditionally been either upwards to the boss or horizontal as CAG, etc.

However they had their lacunae

1) Lack of people centricity of imposed accountability norms.
2) Ivory tower syndrome
3) Top-down approach of accountability stifles innovation.
4) Lack of capacity of horizontal measures → lack of enough auditors with CAG
5) Collective collusion leads to violation of accountability.

All this calls for newer methods of accountability as —

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

→ bottom up accountability.

- → social audit in MNREGA → very successful in weeding "ghost" beneficiary
- → gram sabha planning and involvement in EIA/SIA → trust and demand based accountability

→ multistakeholder approach

- → environment as stakeholder → uphold ecocentric accountability. Eg Polluter pays (in plastic pollution)
- → people as equal stakeholder ⇓ prevented leakage of disaster funds in Kosi basin

Need is to diversify the accountability hierarchy for more effective good governance and weeding out all notorious elements via full transparency

7. भारत के एक महानगरीय शहर में, कानून प्रवर्तन अधिकारियों ने अपनी अपराध-रोधी क्षमताओं को बेहतर बनाने के लिए चेहरे की पहचान तकनीक को अपनाने का निर्णय लिया। उन्होंने चेहरे की पहचान की एक प्रणाली लागू की जिसे शहर भर में मौजूदा निगरानी कैमरों के साथ एकीकृत किया गया। इसने व्यक्तियों की रियल टाइम आधारित पहचान और ट्रैकिंग को सक्षम बनाया। इस प्रणाली का उद्देश्य ज्ञात अपराधियों, लापता व्यक्तियों और चल रही जांच में संदिग्धों की पहचान करने में सहायता करना था।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

एक शाम, किसी महिला ने लूटपाट की एक घटना की सूचना दी, जहां अपराधी ने एक हुडी पहनी थी, जिससे उसका अधिकांश चेहरा स्पष्ट दिखाई नहीं दे रहा था। पीड़िता ने पुलिस को एक अस्पष्ट विवरण प्रदान किया और उस जानकारी के आधार पर, अधिकारियों ने संभावित संदिग्धों का पता लगाने के लिए चेहरे की पहचान तकनीक का उपयोग करने का निर्णय लिया। सिस्टम ने अपराध स्थल के पास विभिन्न स्थानों से प्राप्त निगरानी कैमरों की फुटेज को गहनता से स्कैन किया।

चेहरे की पहचान एल्गोरिथ्म ने संभावित मिलानों की एक सूची तैयार की और एक व्यक्ति की छवि सामने आई, जो पीड़िता द्वारा प्रदान किए गए विवरण के साथ मेल खा रही थी। पुलिस ने उस व्यक्ति को मुख्य संदिग्ध माना और उसे गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद, यह पता चला कि गिरफ्तार व्यक्ति निर्दोष था। आगे की जांच से पता चला कि चेहरे की पहचान प्रणाली ने प्रौद्योगिकी की सीमाओं और पीड़िता द्वारा प्रदान किए गए आंशिक विवरण के कारण निर्दोष व्यक्ति की गलत पहचान की थी। पुलिस ने गिरफ्तार व्यक्ति को रिहा कर दिया; फिर भी उसकी प्रतिष्ठा जीवन भर के लिए कलंकित हो गई। उसे उसके परिवार सहित, उसके वर्तमान निवास स्थान से बेदखल कर दिया गया था। इस घटना का मनोवैज्ञानिक प्रभाव अत्यधिक गहरा है जिसके कारण उसकी नौकरी भी खतरे में है।

इस प्रकरण के संदर्भ में, निम्नलिखित का उत्तर दीजिए:

(a) इस प्रकरण में शामिल मुद्दे कौन-से हैं?

(b) ऐसी प्रौद्योगिकियों को अपनाने के नकारात्मक प्रभावों को कम करने के लिए क्या उपाय किए जा सकते हैं? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

In a metropolitan city of India, the law enforcement authorities decided to adopt facial recognition technology to improve their crime-fighting capabilities. They implemented a facial recognition system that integrated with existing surveillance cameras across the city, allowing real-time identification and tracking of individuals. The system was intended to assist in identifying known criminals, missing persons, and suspects in ongoing investigations.

One evening, a woman reported a mugging incident where the perpetrator wore a hoodie, obscuring most of his face. The victim provided a vague description to the police, and based on that information, the authorities decided to use facial recognition technology to locate potential suspects. The system scanned through hours of surveillance footage from various locations near the crime scene.

The facial recognition algorithm generated a list of potential matches, and one individual's image stood out as a close match to the description provided by the victim. The police considered this individual a prime suspect and proceeded with his arrest. Subsequently, it was discovered that the arrested person was innocent. Further investigation revealed that the facial recognition system had misidentified the innocent individual due to the limitations of the technology and the partial description provided by the victim. The police released the arrested individual; still his reputation got tarnished for life. He, along with his family, was evicted from their current place of residence. The psychological impact of the incident has been tremendous owing to which his job is also on the line.

With reference to this case study, answer the following:

(a) What are the issues involved in this case?

(b) What measures can be taken to minimize the negative implications of adopting such technologies? (Answer in 250 words) 20

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Facial recognition tech using artificial intelligence points at the presence of science without morality as a Gandhian sin.

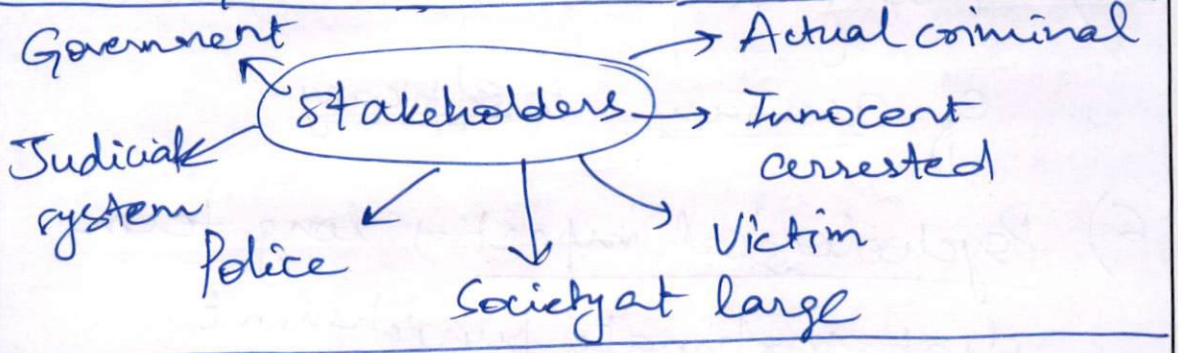

(a) Ethical issues in the case

1) Presence of Crime against women ⇒ against Constitutional morality & fundamental duty to respect dignity of women

2) Technology usage without Social proofing ⇒ tarnishing reputation — against Article 21

3) Collective punishment as all

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

family was evicted ⇒ against justice

4) Lack of veil of ignorance → innocent until proven guilty.

5) Many suspects arrested ⇒ lack of accuracy & efficacy

6) Psychological impact ⇒ long term disproportionate punishment.

7) Use of partial information based sketch ⇒ lackadaisical approach by police.

8) Lack of clear guidelines about facial recognition.

9) Merged with earlier system ⇒ surveillance state creation possible.

In this light, major priority should

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

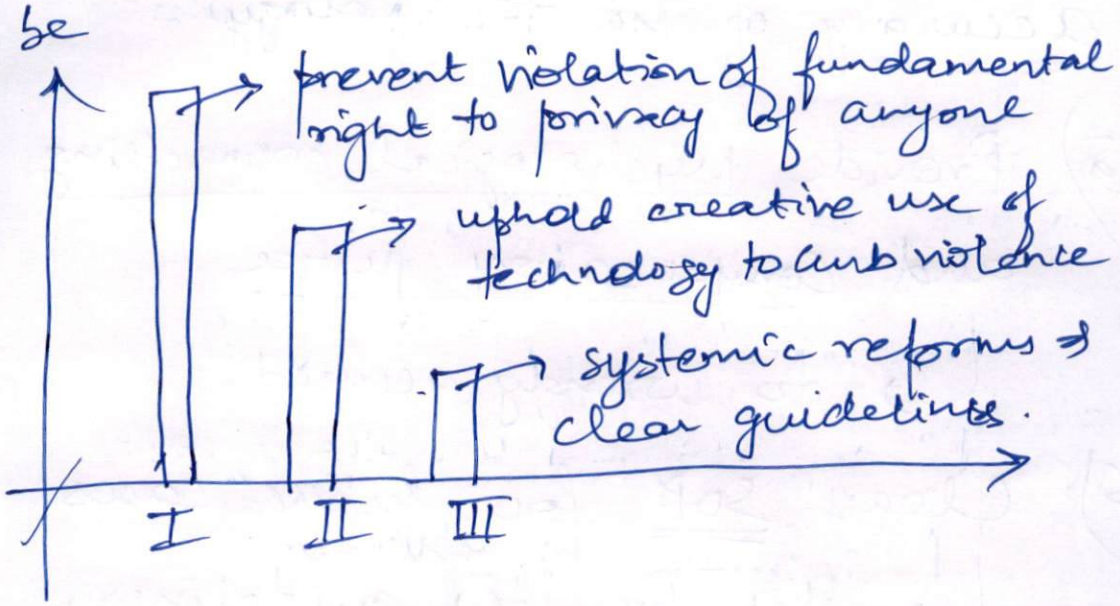

(b) Measures to be taken to minimize negative impacts

1) Use technology only as a means not as an ends in itself
   ↳ supplement by investigation.
2) Right to be heard for natural justice to the suspect.
3) Clear guidelines to prevent leakage of information to society
   ↳ punish police officer who leaks.
   ↳ uphold right to privacy (Art 21)
4) More research to improve the

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

accuracy of the technology

5) Provide psychological counselling and compensatory justice
   ↳ to wrongly accused.

6) Clear SOP for future cases
   ↳ step by step guidelines.

7) Upholding Gandhian deontology by listing range of technology
   ↳ use activity tracer algorithm along with facial recognition ⇒ pure means

This would help to ensure that the technology is used keeping man as ends in himself while upholding the duty to catch crimes faster as "justice delayed is justice denied".

8. रीना और उसके कॉलेज के दोस्त पिछले कुछ महीनों से एक कंपनी में इंटर्न के रूप में काम कर रहे थे। इंटर्नशिप पूरी होने पर रीना समेत उनमें से कुछ को कंपनी में पूर्णकालिक नौकरी की पेशकश की गई है। एक प्रतिष्ठित कंपनी होने के नाते, उसने और उसके दोस्तों ने प्रस्ताव स्वीकार कर लिया। रीना अपनी नई नौकरी को लेकर उत्साहित है और उसने अपनी इंटर्नशिप के दौरान अपनी कंपनी के कुछ सहकर्मियों के साथ अच्छे संबंध भी स्थापित किए हैं। हालांकि, एक इंटर्न के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान, रीना ने नोटिस किया था कि कंपनी के वाइस प्रेसीडेंट्स (VPs) में से एक उस पर बहुत अधिक ध्यान दे रहा था। वह रीना के कक्ष में रुकने और बातचीत करने के लिए अतिरिक्त प्रयास करता था, यह व्यवहार वह किसी अन्य इंटर्न के साथ नहीं कर रहा था। उसने सोशल नेटवर्किंग साइट्स पर भी रीना से जुड़ने की कोशिश की थी। उसके कुछ को-इंटर्न ने भी इस पर ध्यान दिया और VP द्वारा दिए जा रहे अतिरिक्त ध्यान के बारे में रीना पर अनाप-शनाप टिप्पणियां करना शुरू कर दिया।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

अब जब उसे पूर्णकालिक पद पर नियुक्त कर लिया गया है, तो उसे डर है कि उसे सीधे इस VP के साथ काम करना पड़ सकता है। हालांकि, VP ने स्पष्ट रूप से कुछ भी अनुचित नहीं किया है या कहा है, अतिरिक्त ध्यान दिए जाने और उसके सहकर्मियों द्वारा भी इस पर ध्यान दिए जाने के कारण वह बहुत असहज हो गई और कार्य पर उसकी एकाग्रता कम हो गई।

कंपनी एक खुले और मैत्रीपूर्ण माहौल को प्रोत्साहित करती है और जब उसे काम पर रखा गया था, तो उसे बताया गया था कि जब भी काम से संबंधित किसी भी असुविधाजनक समस्या का सामना करना पड़े तो उसे हमेशा अपने प्रबंधक से बात करनी चाहिए। हालांकि, वह इस बारे में आधिकारिक तौर पर बोलने को लेकर चिंतित है, क्योंकि VP ने स्पष्ट रूप से कुछ भी गलत नहीं किया है।

दी गई स्थिति में:

(a) रीना को किन दुविधाओं का सामना करना पड़ रहा है?

(b) उसके पास क्या विकल्प हैं? प्रत्येक के गुण और दोष बताइए।

(c) उसके द्वारा अपनाई जाने वाली कार्रवाई को रेखांकित कीजिए, साथ ही उसका औचित्य सिद्ध कीजिए।

(250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Rina and her friends from the college were working as interns with a company for the last few months. On completion of their internship, some of them, including Rina, have been offered full-time jobs in the company. Being a reputed company, she and her friends accepted the offer. Rina is enthusiastic about her new job and has even established good relationship with some of her company co-workers during her internship. However, during her tenure as an intern, Rina had begun to notice that one of the Vice-Presidents (VPs) of the company was giving her too much attention. He used to make an extra effort to stop by Rina's cubicle and chat, something he was not doing with any of the other interns. He had even tried to connect with Rina over social networking sites. Some of her co-interns also noticed this and began to make offhand comments to Rina about the extra attention being given by the VP.

Now that she was has been hired for a full time position, she is fearful that she might have to work with this VP directly. While he has not done or said anything explicitly inappropriate, the extra attention and the fact that her co-workers noticed it, made her very uncomfortable and undermined her concentration at work.

The company encourages an open and friendly atmosphere and when she was hired, it was communicated to her that she should always speak to her Manager whenever faced with any uncomfortable work related issues. However, she is concerned to speak about it officially, as the VP has not explicitly done anything wrong.

In the given situation:

(a) What dilemmas does Rina face?
(b) What options does she have? Provide the merits and demerits of each.
(c) Highlight the course of action she should adopt, along with justification for the same. (Answer in 250 words) 20

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए Candidates must not write on this margin

Sexual Harassment at workplace Act 2013 has clear guidelines to protect women at workplace. Yet, the #MeToo movement highlighted its toothlessness

(a) Dilemmas faced by Rina

1) Professional duty to uphold work culture of collegiality (vs) personal uncomfortable mental agony.

2) Short term pain of complaining ~~ao~~ and face VP wrath (vs) long term gain of setting precedent

3) Lack of breaking of letter of law by the VP (vs) breaking the

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

spirit of the law as harassment is mental & not just legal.

(b) **Options in front of Rina**

(1) Complain to internal complaint authority

Merits	Demerits
(1) Own peace of mind.	(1) lack of evidence
(2) Prevent same behaviour with other girls	(2) VP may be truly innocent ≠ only perception

(2) Confront the VP about attention

Merits	Demerits
(1) Right to be heard given → natural justice	(1) VP may deny all allegation
(2) Chance for introspection to both party.	(2) Chances of professional troubles.
	(3) Loss of office relationships

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

(3) Collect girls & launch protest

Merits	Demerits
(1) Collective action with awareness	(1) sets wrong precedent of quick to protest ⇓ slippery slope
(2) Against the value of Gandhi deontology	(2) Against the duty dictum of Kant to adopt easy route

(c) **Course of Action**

~~But~~ Rina's course of action must be guided by Fortitude & the duty to set the right precedent to protect other girls from similar things too.

(1) Talk to the VP for collecting right information
↳ dont judge based on perception
⇒ call for objectivity

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

(2) If not convinced complain to the Internal committee → due process

(3) If still not get justice → spread awareness among other women and adopt united action to pressurize for company reforms.

(4) Last option of police complaint and eventual protest to show that Satyamev jayate.

Justification → The silence of the good has done more harm than the vices of the evil. Taking inspiration from the wrestler's protest, all perpetrators must be brought to justice even if it means loss of employment as mental peace and clear conscience is necessary for any wholesomeness of character with courage of conviction.

9. आपको हाल ही में एक ऐसे जिले में नोडल शिक्षा अधिकारी के रूप में तैनात किया गया है, जहां परीक्षाओं में सामूहिक नकल एक नियमित घटना है। मीडिया रिपोर्ट्स में जिले में माध्यमिक विद्यालय की परीक्षा दे रहे छात्रों को उत्तर चिट देने के लिए माता-पिता और रिश्तेदारों को स्कूल की दीवारों एवं इमारतों को फांदते हुए दिखाया गया है। इसके अलावा, नए तकनीकी उपकरणों के आगमन के साथ, परीक्षाओं में नकल करना और अधिक परिष्कृत हो गया है एवं परीक्षा नियमों का खुले तौर पर उल्लंघन किया जा रहा है। जांच करने पर, यह पता चला है कि ये रैकेट कई स्कूल अधिकारियों द्वारा चलाए जाते हैं, जिनमें परीक्षा पर्यवेक्षक भी शामिल हैं, जो मुख्य रूप से शिक्षक हैं और वे मुनाफे के लिए एक-दूसरे से मिले हुए हैं। कर्मचारियों की कमी के कारण, पर्यवेक्षक कोई कार्रवाई किए जाने पर सामूहिक हड़ताल पर जाने की धमकी देते हैं। परीक्षाएं आयोजित करना, नकल के कारण उन्हें रद्द करना और पुनः परीक्षाएं कराना सरकार के लिए समय और धन की हानि है तथा यह दुष्चक्र चलता रहता है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

जिले के नोडल शिक्षा अधिकारी के रूप में, निम्नलिखित प्रश्नों का समाधान कीजिए:

(a) उपर्युक्त प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दे कौन-से हैं?

(b) प्रस्तुत प्रकरण में आप समस्याओं का समाधान कैसे करेंगे?

(c) विभिन्न परीक्षाओं में नकल के खतरे से निपटने के लिए क्या दीर्घकालिक रणनीति अपनाई जानी चाहिए? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

You have recently been posted as a Nodal Education Officer in one of the districts, where mass cheating in examinations is a regular phenomenon. Media reports have shown parents and relatives scaling school walls and buildings to pass answer chits to students taking secondary school examinations in the district. Moreover, with the advent of new technological devices, cheating in examinations has become more sophisticated and exam rules are flouted openly. On investigation, it has come to your notice that these rackets are run by many school authorities, including exam invigilators who are mostly teachers, and they are hand in glove for profits. With a shortage of staff, invigilators threaten go on mass strikes if any action is taken. Conducting the exams, cancelling them on account of cheating and having re-exams are a loss of time and money for the government and this vicious cycle goes on.

As the Nodal Education Officer of the district, address the following questions:

(a) What are the ethical issues involved in the above case?

(b) How will you resolve the issues in the given case?

(c) What long-term strategy needs to be adopted to deal with the menace of cheating in various examinations? (Answer in 250 words) 20

Schools are the first place where children learn ethics and moral corruption at this temple of education is a strong sign of decadence for society.

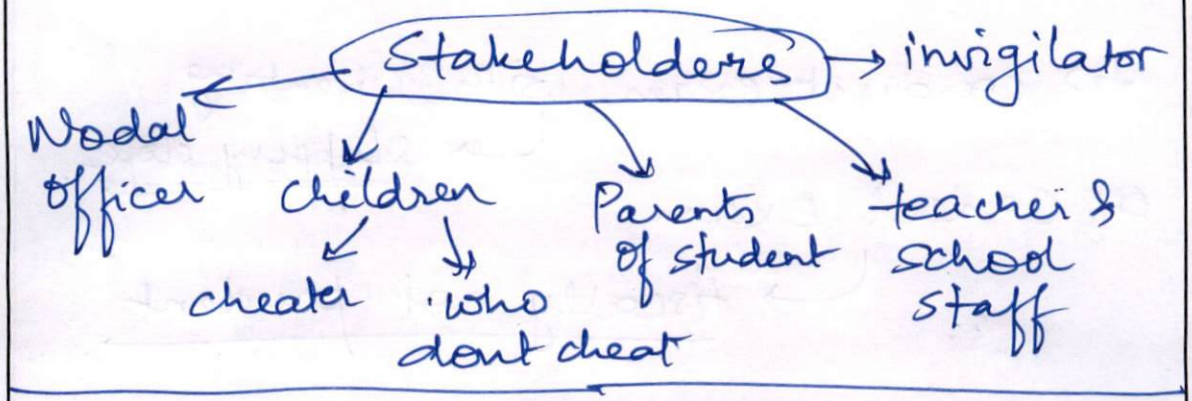

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

(a) **Ethical issues in the case**

1) Loss of **trust** of integrity or integral children in the process

2) corruption as a termite eating the school system.

3) Parents as first school of child supporting cheating ⇒ culture of loss of integrity

4) New technology use for cheating ⇒ education without character (Sin)

5) Invigilators violating the law of universality ⇒ promoting cheating

6) Dilemma before Nodal Officer →

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

to conduct exam with cheating
↳ slippery slope
or cancel exam
↳ fiscally not prudent

(b) Resolving issues at the case would need my crisis of conscience resolution & courage of conviction along with the wholistic approach of bringing Rawlsian justice to all.

(1) Talk to the invigilators and convince them → use the Dillard's fear theory initially → tell them they would lose jobs.

(2) Prevent threat of mass strike → identify the rational among the invigilators and use persuasion to make them comply → appeal to conscience

3) Nukkad natak to break the

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

culture of cheating → bring parents of someone who succeeded in academics for social proofing

(4) Enquiry and action against all school staff involved in cheating
↳ set the right precedent

(5) Extra invigilators after profiling
↳ to ensure low risk of moral corruption of these new ones.

(c) Long term measures

(1) Survey of all walls and cheating methods — how all technology is being used
↳ data driven decision

(2) Plug all loopholes
↳ scanners to prevent tech infiltration in exam hall
↳ barricading and thorns on the walls at top.

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

(3) Overhauling of teaching

- Better teacher assessment so that students understand topics.
- Recommend necessary teaching tests to ensure good teachers.

(4) Attitudinal change of parents

- Bring in local leaders to spread the importance of integrity in exam for future.

(2) School staff would need flying squads and Samkalp patras for better integrity and probity in school administration

Justification — This would uphold my duty as per Kantian Categorical imperative and show students the important of short term pain for long term gain.

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

10. गहरे समुद्र में ड्रिलिंग के अनेक समर्थकों का तर्क है कि हिंद महासागर से बड़ी मात्रा में दुर्लभ-भू धातुओं के दोहन से भारत के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा हितों को बढ़ावा देने, इसकी अर्थव्यवस्था और कार्यबल को मजबूत करने एवं रणनीतिक खनिजों की भरोसेमंद आपूर्ति प्राप्त करने में मदद मिलेगी। इसे ध्यान में रखते हुए, सरकार ने समुद्र तल से 6,000 मीटर की गहराई में हिंद महासागर के तल से निकेल, कोबाल्ट, मैंगनीज और आयरन हाइड्रॉक्साइड के खनन की विधियों का अध्ययन करने के लिए 540 मिलियन डॉलर के एक कार्यक्रम को मंजूरी दी है। सरकार का तर्क है कि यह परियोजना 100 वर्षों तक भारत की संवृद्धि को शक्ति प्रदान कर सकती है। यह जलवायु परिवर्तन का भी अध्ययन करेगा, समुद्री वनस्पतियों और जीवों का पता लगाएगा एवं तापीय ऊर्जा का उपयोग करेगा।

हालांकि, एक प्रतिस्पर्धी दृष्टिकोण का आरोप है कि गहरे समुद्र में ड्रिलिंग से पर्यावरण को अत्यधिक खतरा है। स्वतंत्र भूवैज्ञानिकों द्वारा संधारणीय महासागर अर्थव्यवस्था पर एक व्यापक रिपोर्ट में कहा गया है कि "जब तक गहरे समुद्र में खनन की आवश्यकता और इसके संभावित परिणामों को बेहतर ढंग से नहीं समझा जाता है, तब तक इस अवधारणा को एक संधारणीय महासागर अर्थव्यवस्था की परिभाषा के साथ संरेखित करना वैचारिक रूप से कठिन है। इसके अलावा यह विभिन्न पर्यावरणीय, कानूनी और शासन संबंधी चुनौतियों के साथ-साथ संयुक्त राष्ट्र के संधारणीय विकास लक्ष्यों के साथ संभावित टकराव के मुद्दों को भी उत्पन्न करता है।"

यह इस बात पर भी प्रकाश डालता है कि सरकारी समर्थन या तुलनात्मक रूप से कम करों के बिना, राष्ट्रीय खनन कार्यों की लाभप्रदता संदिग्ध बनी हुई है। यदि परिचालन लाभदायक होता है, तो यह मानवता की साझी विरासत से प्राप्त संसाधन से होने वाले लाभ के न्यायसंगत बंटवारे के बारे में भी प्रश्न उठाएगा।

इसके अतिरिक्त, BMW, वोल्वो, गूगल और कोरियाई बैटरी निर्माता सैमसंग SDI जैसी कंपनियों ने एक बयान में गहरे समुद्र में खनन से उत्पन्न धातुओं को तब तक नहीं खरीदने की प्रतिबद्धता प्रकट की है, जब तक कि इस गतिविधि के पर्यावरणीय जोखिमों को "व्यापक रूप से समझा नहीं जाता" है।

उपर्युक्त जानकारी के संदर्भ में, निम्नलिखित पर ध्यान दीजिए:

(a) प्रस्तुत प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दे कौन-से हैं?

(b) महासागरों की संधारणीयता पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना किसी राष्ट्र के आर्थिक विकास के दृष्टिकोण को कैसे प्राप्त किया जा सकता है? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Many proponents of deep-sea drilling argue that tapping into the vast amount of rare earth elements in the Indian Ocean will help shore up national security interests for India, bolster its economy and workforce, and offer a reliable supply of strategic minerals. Keeping this in mind, the government has approved a $540-million programme to study ways of mining nickel, cobalt, manganese and iron hydroxide from the bed of the Indian Ocean 6,000 meters below sea level. The government argues that the project can power India's growth for 100 years. It will also study climate change, explore marine flora and fauna and harness thermal energy.

However, a competing point of view alleges that deep ocean drilling poses immense risk to the environment. A comprehensive report on Sustainable Ocean Economy by independent geologists states that "until the need for, and potential consequences of, deep-sea mining are better understood, the concept is conceptually difficult to align with the definition of a sustainable ocean economy and raises various environmental, legal and governance challenges, as well as possible conflicts with the UN Sustainable Development Goals."

It also highlights that the profitability of national mining operations, without governmental support or comparably low taxes, remains questionable. If the operations are profitable, it will also raise questions about the equitable sharing of profits derived from a resource taken out of humanity's common heritage.

Additionally, companies like BMW, Volvo, Google and Korean battery maker Samsung SDI, vowed in a statement to not buy metals produced from deep-sea mining until the environmental risks of the activity are "comprehensively understood."

In the context of the above-stated information, address the following:

(a) What are the ethical issues in the given case study?
(b) How can the vision of economic development of a nation be achieved without adversely affecting the sustainability of oceans? (Answer in 250 words) 20

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

The recent Samudrayaan mission and Deep Ocean Mission are a case in point. They are very useful economically but have their own cons.

(a) Major ethical issues in given case study

(1) Half knowledge being used as a solution — can potentially backfire.

(2) Economic development at cost of ecosystem → against environment as an end in itself..

(3) Questions around distribution of mining benefits → equity and Gandhi's Talisman under scanner

(4) Recusal by companies — running

away from responsibility to participate in research & bring new knowledge.

(5) Deep ocean drilling ⇒ threat to biodiversity → using ocean as a means for human profits.

(6) Knowledge without character as a Gandhian sin → using knowledge to drill without stakeholder approach.

(7) Long term pain of climate change due to loss of homeostasis for short term monetary gains.

(8) Treating 100 year growth as an end in itself ↓

"If you want to go fast, go alone
If you want to go far; go together"

In this light, the following priorities need to be kept in mind—

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

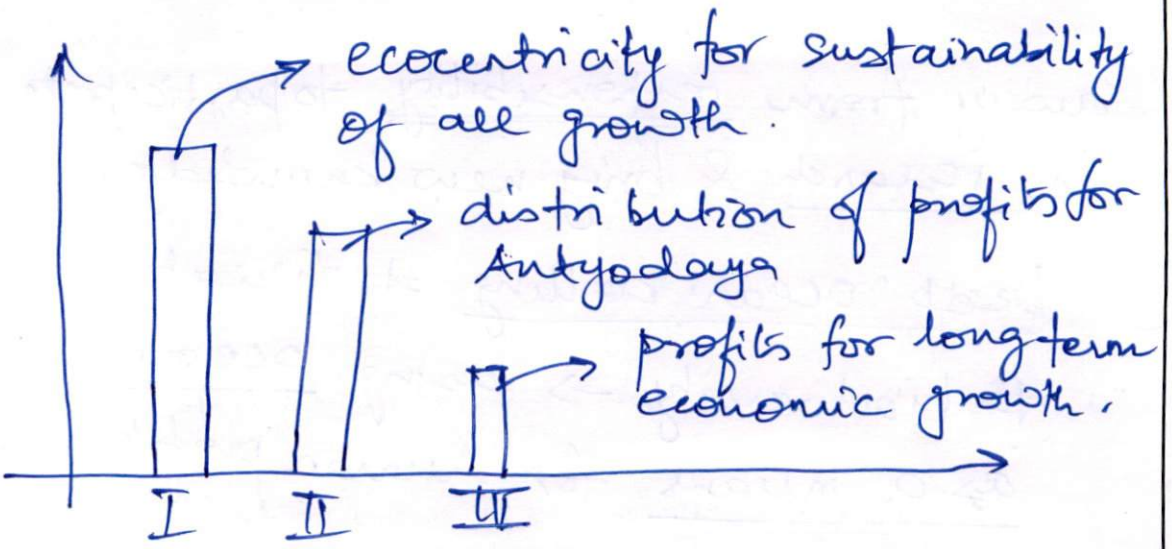

(5) Following can help in sustainable growth without affecting oceans

(1) Principle of precaution → dont jump into conclusion unless you know the harms.

(2) Research into potential impacts for data driven decisions.

(3) Calculating the carrying capacity of the ocean ecosystem.

(4) Clear norms to not violate lets say 90% of carrying capacity
↳ benefit of doubt to the environment.

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

(5) Polluter pays principle to ensure the mining company establishes projects for ocean restoration.

(6) Equitable sharing of benefits
↳ have global consensus to benefit Africa, other nations.

(7) Diversify sources to reduce pressure on oceans.

(8) "Health of planet is directly linked to health of ocean" – Ban ki Moon
⇓
uphold health of ocean at core

These would help to attain sustainable development while ensuring healthy oceans become the greatest untapped resource for growth as held by Ban ki Moon. Life on land (SDG-15) and life in water (SDG-14) both will be saved for sustainability.

11. श्री वाई ने अपने समुदाय के सदस्यों द्वारा धार्मिक पूजा स्थल के निर्माण हेतु जंगल की तलहटी में स्थित एक शहर में 40 एकड़ जमीन खरीदी। पूजा स्थल की योजना में अनेक परस्पर जुड़ी इमारतों, बालकनियों और पानी के फव्वारों का निर्माण किया जाना था। पूजा का केंद्र होने के अलावा, इस स्थान का उद्देश्य दूर-दूर से आने वाले कई उपासकों के लिए आवास प्रदान करना है। योजना को देखने वाला हर कोई इस बात पर सहमत है कि संरचना असाधारण रूप से सुंदर साबित होगी। विडंबना यह है कि इस स्थल की सुंदरता क्षेत्र के स्थानीय निवासियों के बीच चिंता का मुख्य कारण बन गई है, जिनमें से एक बड़ा प्रतिशत एक अलग धार्मिक समुदाय से है। उनमें से कई लोगों का मानना है कि यह स्थान पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बन सकता है, जिससे यातायात की समस्याएं पैदा हो सकती हैं और उनके पड़ोस की शांत जीवन शैली खराब हो सकती है। कम-से-कम, हजारों उपासकों के नियमित रूप से इस स्थान पर आने की उम्मीद है।

कई निवासी सोचते हैं कि उनका पड़ोस न तो इस आकार के परिसर के निर्माण और न ही इतने लोगों, जितनों को समायोजित करने की अपेक्षा की गई है, के लिए यह उपयुक्त है। यहां 1,500 लोगों तक के इकट्ठा होने की अपेक्षा की गई है, हालांकि साइट तक केवल एक दो लेन की सड़क उपलब्ध है। विरोधियों का तर्क है कि इतने ट्रैफिक से आवागमन में समस्याएं पैदा होंगी और बच्चों एवं साइकिल चालकों द्वारा यात्रा के लिए अत्यधिक प्रयोग की जाने वाली सड़कों पर खतरे पैदा होंगे। बढ़ते ट्रैफिक से पर्यावरण पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

इस बीच अन्य लोग इस विरोध के पीछे एक और अधिक घातक कारण देते हैं: पूर्वाग्रह। उन्हें आश्चर्य है कि क्या पूजा स्थल पर आपत्ति जताने वाले लोग धार्मिक पूर्वाग्रहों से प्रेरित हैं।

लेकिन निर्माण का विरोध करने वालों का कहना है कि धर्म का इससे कोई लेना-देना नहीं है और वे ऐसे किसी भी प्रकार के विकास का विरोध करते हैं जिससे क्षेत्र में ट्रैफिक जाम हो। अतः, इस मामले में उन्हें सिर्फ आकार और स्थान को लेकर समस्या है।

विरोध के जवाब में, शहर के योजनाकारों ने निवासियों को आश्वासन दिया है कि क्षेत्र के लिए उपयुक्त शहर निर्माण संबंधी सभी दिशा-निर्देशों और ज़ोनिंग नियमों का पालन किया जाएगा। इसलिए उन्हें निर्माण की योजना रोकने का कोई कारण नजर नहीं आता।

हालांकि, विरोधियों का आरोप है कि शहर के योजनाकार सही पर्यावरणीय प्रभाव रिपोर्ट तैयार करने में विफल रहे हैं और इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि उन्होंने उन निवासियों को ठीक से सूचित नहीं किया, जिनके प्रभावित होने की संभावना है, जबकि यह अभी भी योजना के शुरुआती, लचीले चरणों में है।

(a) आप एक जिला मजिस्ट्रेट हैं और यह क्षेत्र आपके क्षेत्राधिकार में आता है। दोनों पक्षों के लोग अपनी शिकायतें लेकर आपके पास आए हैं। आप दोनों दृष्टिकोणों में सामंजस्य स्थापित करने के लिए क्या करेंगे?

(b) कार्रवाई के निम्नलिखित संभावित तरीकों के गुण और दोषों का उल्लेख कीजिए:

(1) क्षेत्र के निवासियों के विरोध को नजरअंदाज करना और धार्मिक पूजा स्थल को मौजूदा नियमों के अनुसार बनाने की अनुमति दे देना।

(2) नए पूजा स्थल पर भरोसा करने वाले हजारों उपासकों को निराश करते हुए, निवासियों से सहमत होकर निर्माण पर रोक लगा देना।

(3) एक समझौते के रूप में, आपके द्वारा पूजा स्थल पर भवन निर्माण संबंधी अतिरिक्त नियमों को लागू किया जाना या डिजाइन में संशोधन पर बल दिया जाना। (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Mr. Y. purchased 40 acres of land in a city located in the forested foothill for the construction of a place of religious worship by members of his community. The plans for the worship place called for numerous interconnected buildings, balconies, and water fountains. In addition to being a centre for worship, the place is intended to provide a residence for many worshippers who travel from far-off locations. Everyone looking at the plan agrees that the structure should prove to be extraordinarily beautiful. Ironically, the beauty of the site has become a chief cause for concern among the local residents of the area, a significant percentage of whom belong to a different

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

religious community. Many of them believe that the place may become a tourist attraction, causing traffic problems and the degradation of the tranquil lifestyle of their neighbourhood. At the least, thousands of worshippers are expected to visit the place regularly.

Many residents think their neighbourhood is not suitable for a facility of this size, nor for the number of people it is expected to accommodate. The congregation plans to have gatherings of up to 1,500 people, though only a single two-lane road approaches the site. The traffic, opponents argue, will cause commuting problems and introduce hazards on roads frequented by children and bicyclists. Increased traffic could also have an adverse impact on the environment.

Meanwhile others see a more insidious reason behind the opposition: prejudice. They wonder if those who object to the worship place are motivated by religious biases.

But those who oppose the construction insist that religion has nothing to do with it and they are opposed to any type of development that would lead to traffic congestion in the area. So, they just have an issue with the size and location in this case.

In answer to the opposition, city planners have assured the residents that all of the city's guidelines and zoning regulations relevant to the area will be followed. They see no reason to stop the plan of construction.

However, the opponents allege that the city planners have failed to prepare an adequate environmental impact report and, more importantly, did not properly notify residents, who are likely to be affected, while it was still in its nascent, flexible stages of planning.

(a) You are a District Magistrate and the area lies in your jurisdiction. People from both sides have approached you with their grievances. What would you do to reconcile the two points of view?

(b) Mention the merits and demerits of the following potential courses of action:

(1) Ignore the opposition from the residents of the area and allow the place of religious worship to be built in accordance with the existing regulations.

(2) Prohibit the construction, agreeing with the residents while causing distress among the thousands of worshippers counting on the new place of worship.

(3) As a compromise, you place additional building regulations on the worship place or insist on modifications to the design. (Answer in 250 words) 20

This case presents the ~~a~~ issues around religion and environment interlinked with each other, both of which are very sensitive topics.

This calls for true prudence and impartiality by the DM to uphold the right course of action. The integrity of the process needs to

be upheld with objectivity to garner the trust of both sides.

(b) (1) Ignore the opposition & allow place of worship – existing regulation

Merits	Demerits
(1) Promote tourism → economic benefits.	(1) Huge possibility of law & order situation due to religion involved
(2) More local employment generated	(2) Lack of EIA → Joshimath type crisis possible.

(2) Prohibit construction agreeing with residents → distress worshippers

Merits	Demerits
(1) Support of locals guaranteed	(1) Running away from responsibility ⇓ easy path
(2) Reduce pressure of tourist → uphold carrying capacity	(2) Dereliction of duty towards worshippers.

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

(3) Additional building regulations or insist on design modifications.

Merits	Demerits
(1) Attempt to pacify both sides ⇒ "Madhyam Marg"	(1) Loss of individual autonomy (2) Bureaucratic red tape

(a) Reconciling the two as a DM would need deft emotional management & emotional intelligence.

(1) Listen to both sides ⇒ establish trust → grievances ~~heard~~ heard.

(2) Comprehensive EIA & SIA to find out all impacts of the construction

(3) Ensure safety of roads
↳ remove illegal encroachment to reduce congestion

(4) Hold accountable earlier officer who didnt do SIA
↳ "justice should not just

be done but seen to be done" of popularize action → involve people.

(5) Social audit involving both side representatives for trust building

(6) Persuasion to allow the current design if according to norms → individual autonomy of creativity and Art. 25 of practicising religion to Mr. Y

(7) Provide all necessary provision for worshippers yet cap total no. of worshippers per day in area.
↳ have Dharamshalas

Justification → This would uphold objectivity and participative action for trust building and environmental sustainability learning from the cons of Joshimath ⇒
"A wise man learns from mistakes of others".

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

12. आप एक ऐसे राजनीतिक दल के टिकट पर चुने गए जनप्रतिनिधि हैं, जिन्हें कई लोग रूढ़िवादी मानते हैं। आपकी बेटी, जो वर्षों बाद विदेश से पढ़ाई करके लौटी है, ने आपको दूसरे समुदाय के व्यक्ति से शादी करने की अपनी इच्छा से अवगत कराया है। आप व्यक्तिगत रूप से उसकी पसंद में कुछ भी गलत नहीं मानते हैं और उसे अपनी सहमति से अवगत कराते हैं। आप अपने कई दोस्तों और परिवार वालों से भी इस बारे में चर्चा करते हैं और उन्हें बताते हैं कि आप अपनी बेटी के लिए एक भव्य विवाह समारोह की योजना बना रहे हैं। हालांकि, आपके द्वारा आगामी भव्य शादी की खबर कई लोगों के साथ साझा करने के कुछ दिनों बाद, आपके राजनीतिक सचिव ने इसे एक मुद्दा बनाए जाने के बारे में सूचित किया है। वह आपको सूचित करता है कि आपके निर्वाचन क्षेत्र में कई लोगों के बीच इस बारे में कानाफूसी हो रही है और कुछ प्रमुख नागरिकों के बीच बेचैनी की भावना के संकेत हैं। हालांकि, उनमें से अधिकांश आपकी बेटी के लिए एक भव्य विवाह समारोह की आपकी योजना से मंत्रमुग्ध हैं, किंतु वे दूल्हे के दूसरे समुदाय से होने के कारण नाखुश हैं। आपको पार्टी में अपने सूत्रों से यह भी पता चल रहा है कि दूल्हे की पसंद पर आपकी सहमति से आगामी चुनाव में हाईकमान आपको टिकट देने से इनकार कर सकता है। आप न केवल एक महत्वाकांक्षी राजनीतिज्ञ और अपनी राजनीतिक पार्टी के एक उभरते सितारे हैं, बल्कि एक खुले विचारों वाले, प्यारे और स्नेही पिता भी हैं। लेकिन आप अपनी बेटी की आजादी और पसंद से कितना भी प्यार करते हों, आप नहीं चाहेंगे कि उसके फैसले का आपकी राजनीतिक यात्रा पर प्रतिकूल प्रभाव पड़े। यह तब और भी अधिक महत्वपूर्ण हो जाता है, जब आप एक राजनेता के रूप में अपनी वर्षों की कड़ी मेहनत को देखते हुए, बड़ी जिम्मेदारियों और पार्टी में एक ऊंचे कद की उत्सुकता से प्रतीक्षा कर रहे थे। दूसरी ओर, आपकी बेटी अपनी पसंद पर दृढ़ है और नहीं चाहती कि उसकी होने वाली भव्य शादी किसी भी तरह से प्रभावित हो। वह इस बात पर अड़ी हुई है कि उसकी शादी केवल करीबी दोस्तों और परिवार के साथ एक निजी समारोह के रूप में आयोजित नहीं की जाएगी, बल्कि इसे भव्य तरीके से प्रचारित किया जाना चाहिए, जैसा कि आपने उससे पहले वादा किया था।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

इस स्थिति को देखते हुए, निम्नलिखित का उत्तर दीजिए:

(a) उपर्युक्त प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दे कौन-से हैं?

(b) एक पिता और एक महत्वाकांक्षी राजनीतिज्ञ के रूप में आपके पास उपलब्ध विभिन्न विकल्प क्या हैं?

(c) आपकी कार्रवाई का तरीका क्या होगा? उचित तर्क सहित पुष्टि कीजिए। (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

You are a public representative, elected on the ticket of a political party, considered as conservative by many. Your daughter, who has returned years after studying abroad, has conveyed to you her choice of marrying a person from another community. You personally do not consider anything wrong in her choice, and convey your assent to her. You also discuss it with many among your friends and family, and inform them of a grand wedding ceremony you are planning for your daughter. However, a few days after you have shared the news of the forthcoming grand wedding with many, you are informed by your political secretary about an issue being made of the same. He informs you that there are whispers among many people in your constituency about it, and indications of a sense of unease among some prominent citizens. While most of them are enamoured by your plans for a grand wedding ceremony for your daughter, they are unhappy about the bridegroom being from another community. You also get to know through your sources in the party, that your assent to the choice of the bridegroom may lead to a denial of ticket by the high command in the forthcoming elections. You are not only an ambitious politician and a rising star in your political party but also an open-minded, loving and doting father. But howsoever much you love your daughter's freedom and choices, you do not want her decision to adversely affect your political journey. This is more so, when you had been eagerly looking forward to greater responsibilities and a higher stature in the party, given the years of hardwork you have put in, as a politician. Your daughter, on the other hand, is firm with her choice and does not want her impending grand wedding to be affected in any way. She is adamant

that her wedding will not be held as a private ceremony with only close friends and family, but should be publicised in a grand way, as you had promised earlier to her.

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए Candidates must not write on this margin

Given this situation, answer the following:

(a) What are the ethical issues in the above situation?
(b) What are the various options that you have, as a father and an ambitious politician?
(c) What will be your course of action? Justify with proper reasoning. (Answer in 250 words) 20

Conservative society and taboo associated with inter-caste & inter-religious marriages still exists in the Society. Also the lavish nature of weddings points at the iron cage of consumerism.

(a) Ethical issues in the case

1) ~~Pol~~ Political attitude of conservatism against constitutional morality.

2) Threat to right to choose partner as covered by Hadiya case under Article 21.

3) Dilemma of professional aspiration vs personal duty to daughter for the politician.

4) Lavish expenditure demand for

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

marriage = materialistic showoff (ostentation)

5) Politics without principle as a Gandhian sin.

6) Tocqueville's warning of herd mentality ⇒ decisions governed by external validation.

(b) Various possible options are as follows —

(1) Deny marriage to the chosen groom for the daughter

Merits → save political career
→ uphold party line of conservatism

Demerits → duty towards daughter forfeited
→ selfish

(2) Allow marriage with all showoff as demanded.

Merits → happy daughter ⇒ upheld right under Art 21
→ increased prestige due to leadership ⇒ set precedent

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Demerits → Materialism promoted against Buddhist minimalism
→ loss of political stature

(3) Call for simple marriage to chosen groom (+) donate excess money for charity.

Merits → simplicity in life of divine virtue
→ altruism as Gandhi said
"If you want to find yourself, lose yourself in service of others"

(c) Course of action

I will choose option (3) and additionally —

(1) Try to convince the political boss to adopt politics with morality

(2) Show how setting right precedent increases prestige.
↳ tell story of Gandhi during Chauri Chaura.

(3) Else find a own party if not given ticket for social reform.

Justification

(1) Uphold personal responsibility
   (i) right of daughter to happy life with chosen partner.
   (ii) duty as father to teach right value of altruism & selflessness

(2) Necessary to see my face in mirror again as what kind of father will I be if I encroach on my daughters right for own selfish gains.

(3) Uphold values of a politician as a leader is one who knows the way, shows the way, goes the way ⇒ set right precedent for the society → action as example.

This would fulfil my duties even if I have to lose my selfish gains for the larger good

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

SPACE FOR ROUGH WORK

SPACE FOR ROUGH WORK

SPACE FOR ROUGH WORK